Jankriti International Magazine
ISSN: 2454-2725, Impact Factor: GIF 2.0202
www.jankritipatrika.in
Volume 3, Issue 33, January 2018

जनकृति अंतरराष्ट्रीय पत्रिका
ISSN: 2454-2725, Impact Factor: GIF 2.0202
www.jankritipatrika.in
वर्ष 3, अंक 33, जनवरी 2018

हाइकु: आमिर सिद्दीकी

साहित्यिक विमर्श

बादल के टुकड़े

हंसते और चल देते हैं

डेमो के ऊपर

....

बिल्ली का बच्चा

मेरे बच्चे की बोतल

तकता रहता है

....

चावल दम पर थे

स्टेशन पर खुशबू थी

कांधों पर ताबूत

...

लकड़ी से पिटकर

तोता हाल बताता है

अच्छी किस्मत का

...

सूखी मछली थी

एक थाली भात भरी थी

जमुना गुस्से में

...

सूखे जोहड़ में

अपने बच्चों की लाशें

मेंढक का नोहा

....

खिड़की के ऊपर

जाने कितने वर्षों से

जाले मकड़ी के

...

चक चक चक चक चक

उजली गाड़ी चलती है

मेरी पटरी पर

...

कबसे संवरी हैं

जाना कमरे में तेरी

यादें बिखरी हैं

...

यह बूढ़े चेहरे

सदियां छाने बैठे हैं

कितने गहरे हैं

Jankriti International Magazine
ISSN: 2454-2725, Impact Factor: GIF 2.0202
www.jankritipatrika.in
Volume 3, Issue 33, January 2018

जनकृति अंतराराष्ट्रीय पत्रिका
ISSN: 2454-2725, Impact Factor: GIF 2.0202
www.jankritipatrika.in
वर्ष 3, अंक 33, जनवरी 2018

....

बासी फूलों का

हाथों में है गुलदस्ता

ताजे नोटों का

....

उलझे बालों की

यादें अब तक दिल में है

गोरे गालों की

....

पर्दा जुल्मत का

जाने कब से काट रहा है

मुर्गा बागों से

....

कितना मुश्किल है

अम्मी इन बाजारों से

गुजरना मुश्किल है

....

बिजली कड़की है

मां मुझको डर लगता है

गोदी में ले लो

....

मुर्गा भी बोला

मेरे या तेरे बच्चे

दोनों भूखे हैं

....

रेशम का कीड़ा

मर कर भी दे जाता है

जिंदो को कपड़ा

...

चाचा चाची में

झगड़े ऐसे होते हैं

जैसे बच्चे हैं